



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 918]
No. 918]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 1, 2008/आषाढ़ 10, 1930
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 1, 2008/ASADHA 10, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2008

सं. 21 (आरई-2008)/2004—2009

का.आ. 1602(अ).— विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 (समय-समय पर यथा संशोधित), के पैरा 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की सं. 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा विदेश व्यापार नीति में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. पैराग्राफ 6.5 के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाता है :—

“अनुमति पत्र (एलओपी) में उल्लिखित किसी उत्पाद के निर्यात पर लगे निषेध/प्रतिबंध के कारण जब एक इकाई निर्यात करने में अक्षम होती है, तो निवल विदेशी मुद्रा अर्जन का परिकलन करने के लिए पाँच वर्ष की खण्ड अवधि को अनुमोदन बोर्ड द्वारा उपयुक्त रूप से बढ़ाया जा सकता है।”

2. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/92/180/45/एम 09/पीसी VI]

आर. एस. गुजराल, विदेश व्यापार महानिदेशक
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2008

No. 21 (RE-2008)/2004—2009

S.O. 1602(E).— In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) read with Para 1.3 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009 (as amended from time to time), the Central Government hereby makes the following amendment in Foreign Trade Policy :—

1. The following stands added at the end of paragraph 6.5 :—

“Whenever a unit is unable to export due to prohibition/restriction imposed on export of any product mentioned in LoP, the five year block period for calculation of NFE earnings may be suitably extended by BoA.”

2. This issues in Public interest.

[F.No. 01/92/180/45/AM 09/PC VI]

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
and ex-officio Addl. Secy.